651

MASA-08

June - Examination 2018

M.A. (Final) Sanskrit Examination

आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास

Paper - MASA-08

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) पं. श्रीरामदवे कृत महाकाव्यों का नामोल्लेख करें।

(ii) 'गणपतिसाम्भवम्' नामक महाकाव्य के रचनाकार कौन हैं?

(iii) भट्ट मथुरानाथशास्त्री के दो लघुकाव्यों का नामोल्लेख करें।

(iv) पं. हरिनारायण दीक्षित की नाट्यकृति का उल्लेख करें।

(v) 'रयीश' व 'सीमा' उपन्यासों के उपन्यासकार का नाम लिखिये।

(vi) 'प्रबन्ध पारिजात' संस्कृत की किस काव्य–विधा का ग्रन्थ है?

(vii) संस्कृत में रचित किन्हीं दो यात्रावृत्तों का उल्लेख करें।

(viii) जैन कवि – चन्दनमुनि की किन्हीं दो संस्कृत रचनाओं के नाम लिखिए।

खण्ड – ब $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) पं. रामजी उपाध्याय के संस्कृत उपन्यासों की समीक्षा कीजिये।

3) 'आधुनिक संस्कृत साहित्य में निबन्ध विधा' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करें।

4) अभिराज राजेन्द्र मिश्र के लघुकथा संग्रहों पर संक्षिप्त लेख लिखें।

5) पं. अम्बिकादत्त व्यास के उपन्यास 'शिवराजविजय' की औपन्यासिकता की युक्तियुक्त समीक्षा करें।

6) आधुनिक संस्कृत महाकाव्यों के महाकाव्यत्व पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

7) आधुनिक संस्कृत साहित्य में 'आत्मकथा' विषय पर आलेख प्रस्तुत करें।

8) पं. रामकरण शर्मा के लघुकाव्यों की अलंकारिकता व समसामयिकता पर प्रकाश डालिये।

9) 'आचार्य राधा वल्लभ त्रिपाठी की आधुनिक संस्कृत साहित्य को देन' इस विषय पर विभिन्न विधाओं पर रचित उनके संस्कृत साहित्यकी संक्षेप में चर्चा कीजिए।

खण्ड – स **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) 'राङ्क डा' नवलेखन की प्रासंगिकता व युगचेतना की अभिव्यक्ति है। इस लघुकथा संग्रह की उदाहरण सहित समीक्षा करें।

11) श्वेताम्बर तेरापंथी परम्परा के जैन मनीषियों का संस्कृत साहित्य को योगदान विषय पर एक आलेख लिखिये।

12) संस्कृत गीतिकाव्यों को परिभाषित करते हुए बीसवीं शताब्दी के संस्कृत गीतिकाव्यों पर समीक्षात्मक लेख लिखिये।

13) आधुनिक संस्कृत उपन्यास विधा का सामान्य परिचय प्रस्तुत करते हुए भट्ट मथुरानाथ शास्त्री के संस्कृत उपन्यासों की समालोचना करें।